कद्दू और गौरईया

एक कोरियाई लोककथा







कद्दू और गौरईया

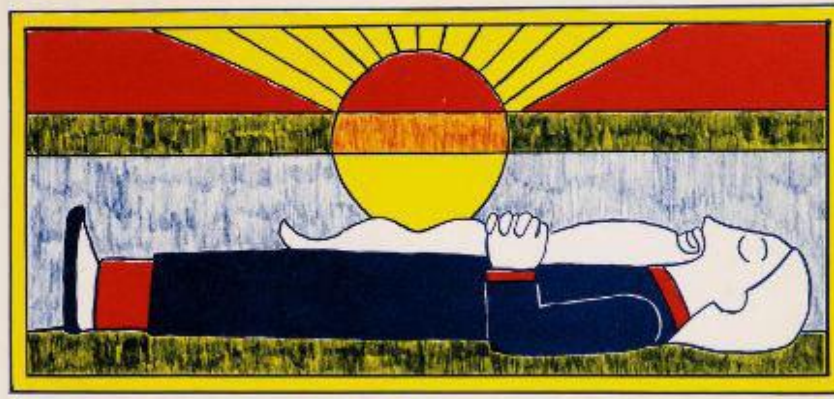
एक कोरियाई लोककथा








एक बूढ़ा आदमी था जिसके दो बेटे थे. प्रत्येक बेटे की एक पत्नी थी और वे सभी बूढ़े व्यक्ति के साथ रहते थे.
एक बेटा वाइज, और उसकी पत्नी, चीयरफुल दूसरों की देखभाल करते थे और कड़ी मेहनत करते थे.
लेकिन दूसरा बेटा, फॉक्स और उसकी पत्नी, एनवी, आलसी और स्वार्थी थे.
वे पूरे दिन घर में निठल्ले बैठे रहते थे. वे अपने सारे पैसे महंगी और मूर्खतापूर्ण चीजों पर खर्च करते थे.



जब बूढ़े पिता की मृत्यु हुई, तो उन्होंने अपना घर और अपनी सारी दौलत फॉक्स को दी क्योंकि उन्हें लगा कि फॉक्स ने उनकी घर में देखभाल की थी जबकि वाइज सुबह जल्दी घर से निकल जाता था और देर से घर वापिस आता था. फॉक्स और एनवी एक आलसी और स्वार्थी जीवन जीते थे.





कुछ दिनों बाद वाइज और चीयरफुल ने अपना सामान पीठ पर लादा और वे मैदान में एक झोपड़ी बनाकर रहने लगे. मिट्टी खराब थी इसलिए उन्हें थोड़े से भोजन के लिए सुबह से शाम तक काम करना पड़ता था.

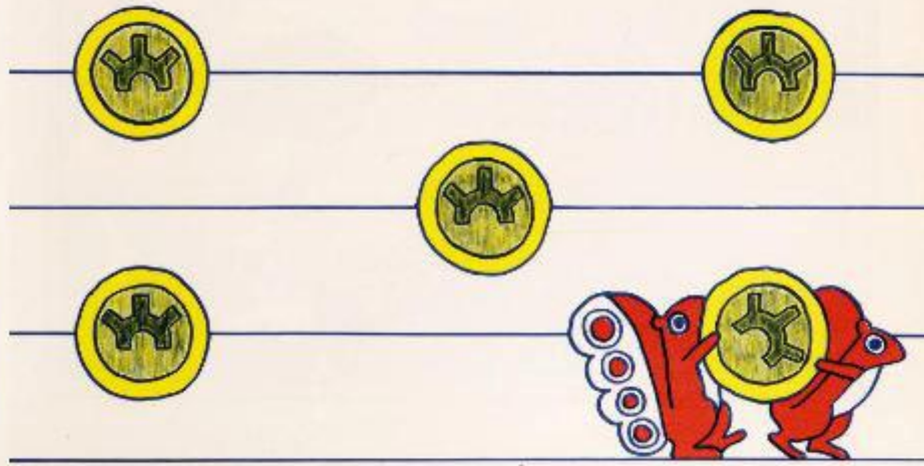
एक दिन जब वे खेत में काम कर रहे थे, तभी वाइज को जमीन पर टूटे हुए पंख वाली एक गौरैया दिखी. उसने गौरैया को अपने हाथों में उठाया और चीयरफुल ने चिड़िया के पंख की मल्हम-पट्टी की.

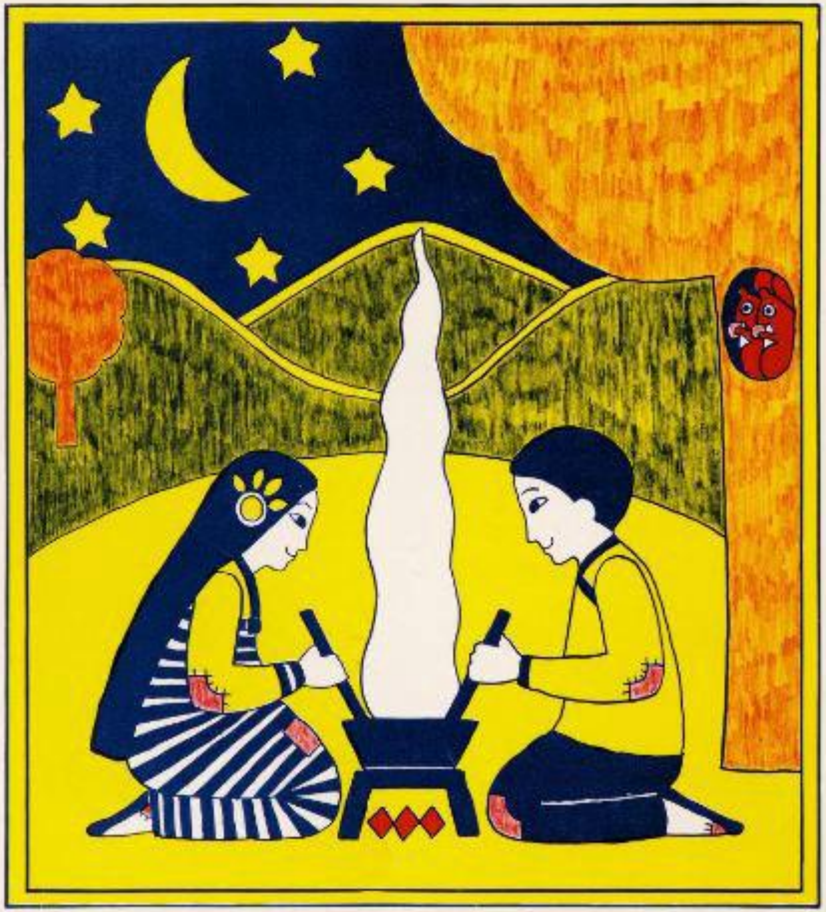






उनके पास जो भी थोड़ा भोजन था वो उन्होंने पक्षी
के साथ साझा किया. जल्द ही पक्षी अच्छा हो गया
और उड़ गया. वाइज और चीयरफुल खुश थे कि वे
गौरैया की कुछ मदद कर पाए.





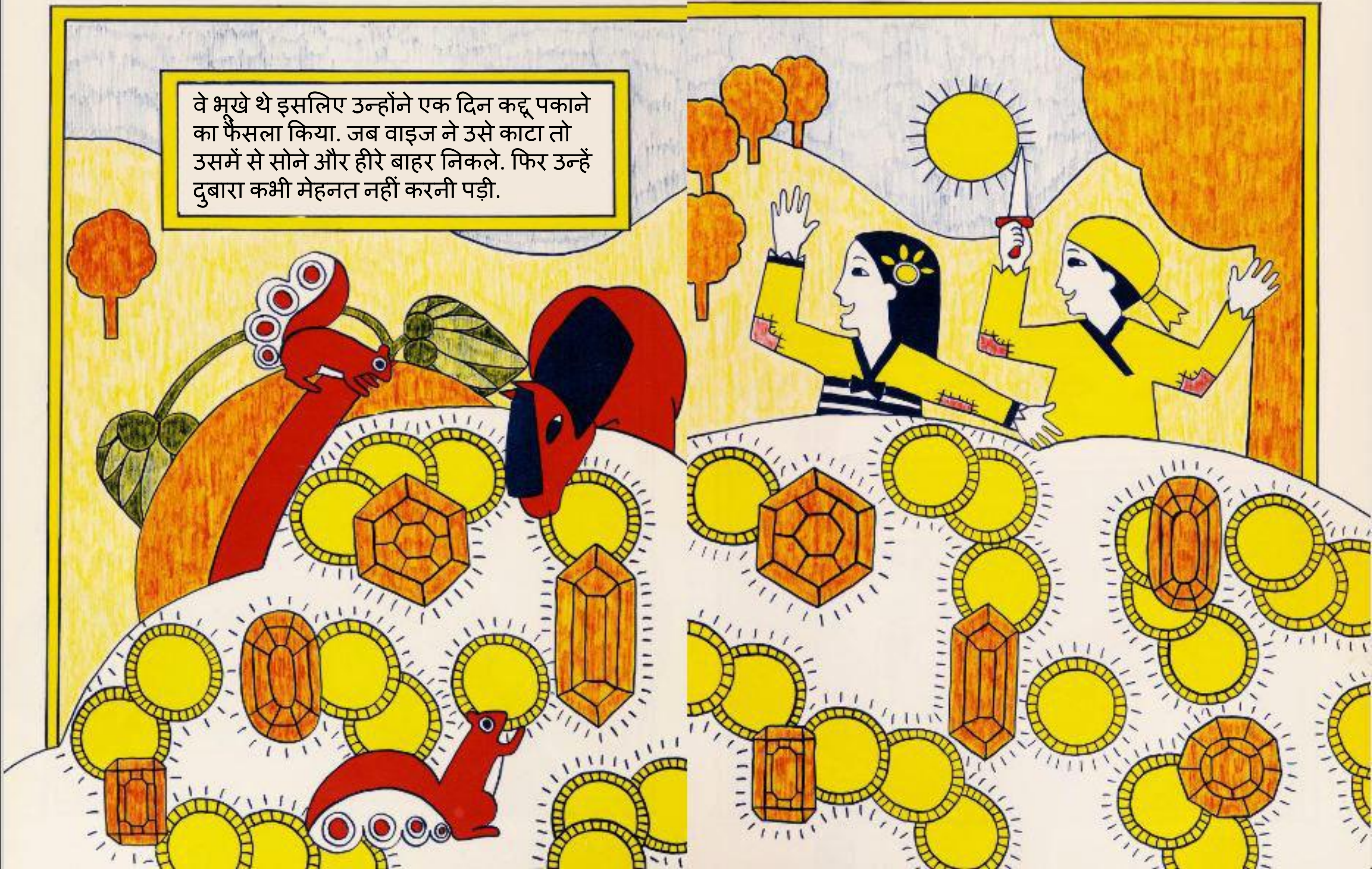
समय बीतता गया और चीजें आगे बढ़ती गईं.



फिर एक दिन गौरैया खेत के ऊपर उड़ी और
उसने नीचे एक कद्दू का बीज गिराया. उस बीज
में एक बेल लगी. वाइज और चीयरफुल ने
देखा की बेल में एक विशाल कद्दू लगा था.







वे भूखे थे इसलिए उन्होंने एक दिन कद्दू पकाने का फैसला किया. जब वाइज ने उसे काटा तो उसमें से सोने और हीरे बाहर निकले. फिर उन्हें दुबारा कभी मेहनत नहीं करनी पड़ी.

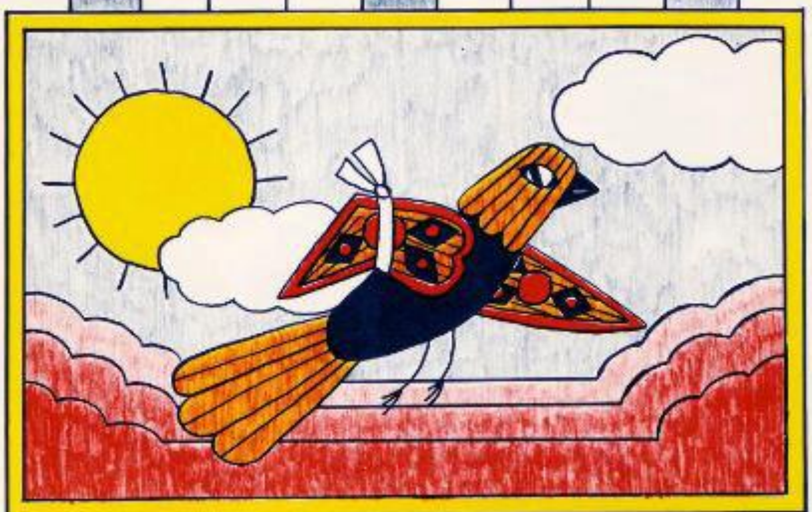
इस बीच फॉक्स और एनवी ने अपना सारा पैसा खर्च कर डाला था. जब उन्होंने वाइज और चीयरफुल के धन के बारे में सुना तो वे तुरंत उनसे मिलने आए.





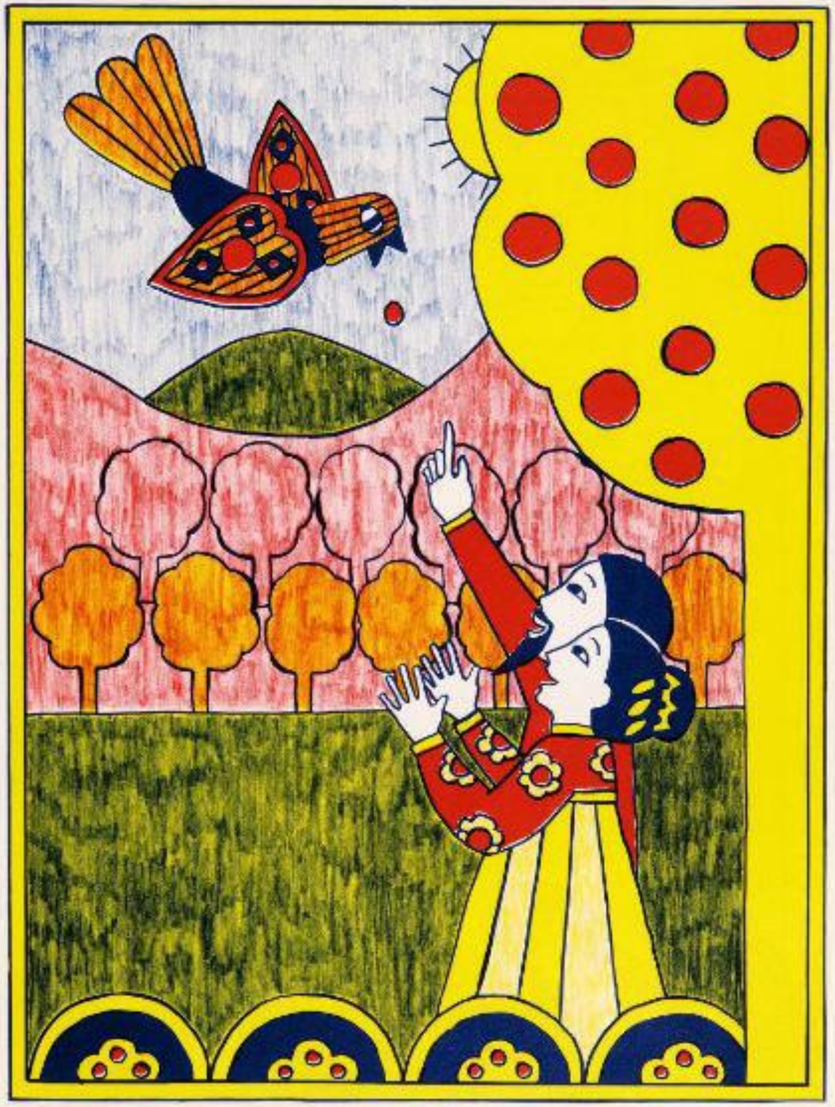
वाइज और चीयरफुल अपने भाई-भाभी की मदद करना चाहते थे. उन्होंने गौरैया और कद्दू की पूरी कहानी फॉक्स और एनवी को सुनाई.





अगले दिन फॉक्स और एनवी ने एक गौरैया को फंसा लिया. उन्होंने उसका एक पंख तोड़ डाला और फिर उसे लापरवाही से बांधा. फिर उन्होंने गौरैया को छोड़ दिया. पक्षी बड़ी मुश्किल से कुछ दूर जा सका.

हर दिन वे आसमान को देखते और गौरैया के वापिस आने की उम्मीद करते थे. अंत में गौरैया ने उनके खेत के ऊपर उड़ान भरी और एक कद्दू का बीज गिराया.



कद्दू की बेल बड़ी हुई. फॉक्स ने एक दिन कद्दू को काटा. लेकिन उसमें सोने और हीरे के बजाए, सांप, बिच्छू और छिपकली निकलीं. उन्होंने फॉक्स और एनवी का पीछा किया. फिर वे कभी नहीं दिखे.





लेकिन वाइज और चीयरफुल वहीं रहे और उन्होंने एक लंबी और खुशहाल ज़िंदगी जी.



समाप्त